

सम्पादकीय

पेशन की फांस

पिछले दिनों गैर-भाजपा शासित राज्यों ने पुरानी पेंशन योजना को लागू करके जो राजनीतिक ब्रह्मास्त्र चलाया है, उससे केंद्र की भाजपा सरकार मासंस्त में है। आर्थिक सुधारों व वित्तीय संतुलन की कवायद के बीच पुरानी पेंशन के देशव्यापी बोझ से अर्थव्यवस्था के दबाव में आने की आशंका जाने-माने अर्थशास्त्री जता रहे हैं। पिछले दिनों हिमाचल के चुनाव में ओल्ड पेंशन बड़ा सियासी मुद्दा बना, भाजपा ने उसकी कीमत भी चुकाई। बताते हैं कि पेंशन योजना लागू होने से राज्य पर नई पेंशन के मुकाबले चार गुना वित्तीय बोझ बढ़ेगा। ऐसे में पहले ही कर्ज में ढूबी सरकारें वित्तीय सुशासन स्थापित कर पाएंगी, इस बात में संदेह है। वर्ही केंद्र की तरफ से कोई वित्तीय सहयोग की बात नहीं कही गई है। पिछले दिनों कांग्रेस शासित राजस्थान, उत्तरीसगढ़, झारखण्ड, हिमाचल व पंजाब सरकार ने पुरानी पेंशन योजना लागू की है। दरअसल, 18 साल पहले पुरानी पेंशन योजना को बदलकर नई पेंशन योजना को लागू किया गया। पुरानी पेंशन का निर्धारण मूल वेतन और बहंगाई भत्ते के आधार पर होता था। जबकि नई पेंशन योजना हेतु कर्मचारी के वेतन से कटे गये अंश से ही पेंशन दी जाती है। उसकी कोई न्यूनतम सीमा नहीं होती है और सेवा अवधि कम होने पर यह थोड़ी रह जाती है। कर्मियों के वेतन से कटे पैसे का पचासी फीसदी सरकारी प्रतिभूतियों तथा बाकी पंद्रह फीसदी खुले बाजार में निवेश किया जाता है, जिसकी आय से कर्मियों को पेंशन का भुगतान होता है।

लय आर्थिक संरक्षण जल्दी होता है। लेकिन लोककल्याणकारा संरक्षण का दायरेतमी होता है। लेकिन लोककल्याण का मतलब ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि देश की हालत श्रीलंका व पाकिस्तान जैसी हो जाए। इस योजना से कर्मचारियों में उत्साह है और अन्य राज्यों में भी कर्मचारी संगठन इसे लागू करवाने के लिये दबाव बना रहे हैं। चिंता जताई जा रही है कि कहीं ये मुद्दा अगले आम चुनाव में भाजपा के लिये मुश्किलें पैदा न कर दे। वहीं दूसरी ओर देश के कई जाने-माने अर्थशास्त्री और योजना आयोग के पूर्व डिप्टी चेयरमैन नॉटेक सिंह अहलूवालिया ओल्ड पैंशन योजना को अव्यावहारिक व भविष्य में आर्थिक कंगाली लाने वाला बता चुके हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा कि इसका परिणाम यह होगा कि दस साल बाद वित्तीय अराजकता पैदा हो जाएगी। उनके बयान के बाद इस मुद्दे पर नये सिरे से बहस छिड़ गई है। कांग्रेस की मनमोहन सरकार के दौरान योजना आयोग के डिप्टी चेयरमैन रहे अहलूवालिया नब्बे के दशक के बाद के तीन दशकों में देश के आर्थिक सुधार कार्यक्रमों से गहरे तक जुड़े रहे हैं। वे लुभावनी राजनीति करने वाले नेताओं को चेता चुके हैं कि एक अर्थशास्त्री के नाते में कहंगा वे ऐसे कदम उठाने से बचें जो भविष्य में वित्तीय तबाही के कारक बन सकते हैं। दरअसल, अर्थशास्त्री मानते हैं कि देश की जनता को जागरूक करने की जरूरत है कि इस फैसले की भविष्य में हमें कीमत चुकानी पड़ेगी और विकास के हिस्से का यन गैर-उत्पादक कार्यों में खर्च होगा।



अपनी सरकार का अंतिम बजट रखते हुए आज युवाओं, गरीबों, महिलाओं, किसानों व औसत किसान के लिए अपने खजाने का मुँह खोलते हुए विभिन्न कल्याणकारी स्कीमों व फैसलों की जानकारी दी। सबसे बड़ा फैसला उन्होंने गरीब वर्ग के लोगों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर पांच सौ रु. में देने का किया जिससे इस समुदाय की महिलाओं में भारी उत्साह पर आधे किराये की छूट देने की घोषणा भी की। साथ ही छोटे किसानों को दो हजार यूनिट तक बिजली मुफ्त देने का एलान भी किया। इसके साथ ही महिलाओं को सिलाई मशीन खरीदने के लिए पांच हजार रु. की मदद भी दी जायेगी। अब घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति माह 100 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी जबकि पहले यह 50 यूनिट थी। चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना के तहत

उत्तरी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की अमस्या का निवारण श्री गहलौत ने स प्रकार किया है कि अब परीक्षार्थी जो केवल एक बार ही पंजीकरण फीस नी होगी चाहे उसे परीक्षा एकाधिक बार देनी पड़े। राज्य में उच्च शिक्षा जो सर्स्टी बनाने के लिए गहलौत प्रकार ने शोध करने वाली छात्राओं जो तीस हजार रु. की धनराशि देने वाला प्रावधान भी किया है और युवा

राज. का जन- हितकारी बजट

कोष विकास के लिए पांच सौ करोड़ रु. का प्रावधान किया है। कक्षा 12 तक प्रत्येक छात्र-छात्रा को मुफ्त शिक्षा देने का वादा भी गहलोत ने किया है और प्रत्येक छात्रा को बिजली चालित स्कूटी देने का भी वचन दिया गया है। अब छात्र 75 कि.मी. तक मुफ्त सफर भी कर सकेंगे। समाज के सबसे निचले तबके के लोगों को पवकी सरकारी नौकरी देने का वादा भी उन्होंने किया है और प्रावधान किया है कि पवके सफाई कर्मचारियों की तीस हजार भर्तीयां होंगी। गहलोत सरकार ने राज्य में नये मेडिकल व तकनीकी कालेज खोलने का भी वचन दिया है और बजट में वादा किया है कि जोधपुर में मारवाड़ मेडिकल विश्वविद्यालय की स्थापना की जायेगी व जयपुर में बायोटेक्नोलॉजी कालेज खोला जायेगा। इनके अलावा दो और मेडिकल कालेज खोले जायेंगे। इन घोषणाओं से स्पष्ट है कि श्री गहलोत युनावी वर्ष में हर समुदाय वर्ग को प्रसन्न करना चाहते हैं। मगर उनकी इन घोषणाओं के पीछे बहुत सोची दृसमझी रणनीति भी है जो कि गरीबों को मदद करने व युवा वर्ग की पढ़ाई का आर्थिक बोझ कम करने की है।

की शक्ति भी बहुत क्षीण हो गई देखने वाली बात केवल यह है कि उनके विभिन्न राज्य इस व्यवस्था के प्रकार अपना चहंमुखी विकास कर सकते हैं। क्योंकि वे में समर्थ हो पाते हैं। क्योंकि वे दो मुख्य उत्पाद बचे हैं जिनमें मनमान शुल्क लगा सकते हैं। भी देखने वाली बात होगी कि श्री गहलोत इन रियायतों का समायोजन बजट में किस प्रकार करते हैं वह से राजस्व घाटा न बढ़ सके। वह ही राज्य कर्मचारियों के लिए भी पेंशन योजना लागू करने की गति कर चुके हैं। इसी मद में सरकार भारी खर्च करना पड़ेगा। जबकि से उनके राज्य के हिस्से की दिशि अभी तक पूरी नहीं आयी है। श्री गहलोत को राजनीति का गतर भी कहा जाता है। उनके समक्ष हाल सबसे बड़ी चुनौती आगामी सम्बर महीने में होने वाले विधानसभा चुनाव जीत कर पुनः कांग्रेस की सरकार बनवाना है। इस मोर्चे पर भी उनकी मुश्किलें कम नहीं हैं क्योंकि एक तरफ उन्हें भाजपा से लड़ना है तो दूसरी तरफ कांग्रेस के भीतर ही सचिन पायलट गुट से भी लड़ना है। हालांकि यह लड़ाई खुले रूप से नहीं लड़ी जायेगी।

संभवतः इस बजट के माध्यम से श्री गहलोत एक तीर से कई शिकार करते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। एक तरफ उन्होंने युवाओं को सशक्त बनाने की नीति चलाई है तो दूसरी तरफ महिला वर्ग को सन्तुष्ट करने का प्रयास किया है और साथ ही किसान व गरीब वर्ग के लोगों के बीच अपनी लोकप्रियता बढ़ाने की जुगत भिड़ाई है। इसे देखकर कहा जा सकता है कि श्री गहलोत ने दिसम्बर की चुनावी लड़ाई को बहुत पैंचदार और घुमावदार बना दिया है और फिलहाल अपने सभी आलोचकों को चुप करा दिया है।

ਨਿੰ ਸਫਲਤਾਏਂ ਸੁਖੋਂ ਬਲਾ :- ਨੈਤਿਕ-ਅਨੈਤਿਕ

का आगाज करगा। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुष्प्राप्ति होगा। नाजुक संबंधों के साथ तालमेल बिठाने का प्रयास करें। **बृष्टम्** :- बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने की चेष्टा करें। कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्देशित करेंगी। निर्धक दूसरों की पीठ पीछे आलोचना न करें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। **मिथुन** :- दूसरों की बात इधर से उधर करना आपका शोभा नहीं देता। अतरु उक्त स्वभाव को छोड़ें। किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। पारिवारिक संबंधों में कटुता जैसी स्थिति न बनने दें।

बार म साचन वाला मन भातक परिवेश के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। घर में खुशाहाल स्थिति रहेगी। **वृश्चिक** :- जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। **धनु** :- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुष्प्राप्ति स्तर होगा। दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीनभावना न आने दें। नौकरी का वातावरण थोड़ा असुचिकर होगा तथा स्थान

कर्क :- कार्यक्षेत्र में क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है। किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों। जरुरी काम समय से पूर्ण करें।

सिंह :- राजनीति से जुड़े लोगों की व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रवत संबंधों का लाभ मिलेगा। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर होंगे। असीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन लाभ से वंचित करेगा।

कन्या :- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन परेशान होगा। दूसरों की आलोचना न करें।

जाऊँ जलवकर हाथ रखा रखा परिवर्तन का भी ग्रहण है।

मकर :- अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। रोजगार में कुछ आक्रमिक सफलता मिलेगी। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। आलस्य त्यागें।

कुंभ :- किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा। रोजगार क्षेत्र में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे। आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरतें।

मीन :- ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी। कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्देलित करेगी। आपकी सारी समस्यायें खुद-ब-खुद सुलझ जाएंगी।

ने घोटाले गिनाए हुआ क्या?

गैस पाइपलाइन: अमेरिका-रूस में ठंडी



गया था कि यह धमाके उसी का किया कराया है। सीमोर हर्ष की इस एक्सवल्यूसिव रिपोर्ट से रूस के तेवर तीखे हो गए हैं और उसने इस रिपोर्ट की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जांच कराने की मांग करते हुए अमेरिका के इस तरह के आतंकी कृत्य से प्रभावित देशों को मुआवजा दिए जाने की आवाज बुलंद की है। यद्यपि अमेरिका गैस पाइपलाइनों को नुकसान पहुंचाने की रिपोर्ट को झूठा करार दे रहा है लेकिन रिपोर्ट के तथ्य सीधा इशारा उसकी तरफ ही कर रहे हैं। रिपोर्ट सामने आने के बाद अमेरिका और रूस में रूस-यूक्रेन युपडेगा यह भवित्व तक सीमोर ह सवाल है वो पर दुनिया में खलबल में वियतनाम में मामला हो या में कैदियों पर की दास्तान ह सही साबित हु कि अमेरिका न तबाह करने व नॉर्ड स्ट्रीम-1 हआ था जो

रुस-यूक्रेन युद्ध पर कितना असर पड़ेगा यह भविष्य ही बताएगा। जहां तक सीमोर हर्ष की पत्रकारिता का सवाल है वो पहले भी अपनी रिपोर्ट से दुनिया में खलबली मचा चुके हैं। 1969 में वियतनाम में अमेरिकी नरसंहार का मामला हो या ईराक की अबुग्रेव जेल में कैदियों पर अमानवीय अत्याचारों की दास्तान हो। सीमोर हर्ष हमेशा सही साबित हुए हैं। अब सवाल यह है कि अमेरिका ने गैस पाइपलाइन को तबाह करने की कोशिश क्यों की। नॉर्ड स्ट्रीम-1 का काम 2011 में पूरा हआ था जो लैनिन ग्राद (रुस) में पहुंचती है। इस पाइपलाइन के जरिये जर्मनी और अन्य देशों को सस्ती गैस मिलती है। यूरोपीय देशों में घरेलू गैस उत्पादन में कमी के कारण वे गैस आयात पर निर्भर हैं और उनके लिए निर्भरता कम करना बहुत मुश्किल है। इसलिए वे गैस आपूर्ति के लिए रुस पर निर्भर हैं। इसी तरह नॉर्ड स्ट्रीम-1 के समानांतर बिछाई गई नॉर्ड स्ट्रीम-2 तैयार की गई। लेकिन अभी इससे गैस आपूर्ति शुरू नहीं हुई है। अमेरिका किसी भी कीमत पर नहीं चाहता कि यूरोप गैस सप्लाई के लिए रुस पर निर्भर हो। इसलिए उसने इस बात का

देशों के लिए खतरा है और इससे जलवायु को काफी खतरा है। जबकि असली कारण यह है कि रूस द्वारा जर्मनी और नाटो देशों में गैस की आपूर्ति शुरू होने से अमेरिका को अपना बड़ा बाजार खोने का डर सताने लगा था। अमेरिका यूरोप में तेल की बिक्री बढ़ाना चाहता है। अमेरिका की शह पर ही बिना मंजूरी नॉर्ड स्ट्रीम-2 के निर्माण पर रूसी कंपनी गज प्रेम पर मोटा जुर्माना लगाकर राजनीतिक युद्ध छेड़ दिया था। नाटो देश जर्मनी पर इस बात के लिए दबाव डाल रहे थे कि वह पाइपलाइन योजना से अलग हो जाए। अमेरिका ने एक के बाद एक रूस पर प्रतिबंध लगाए लेकिन रूस ने कोई परवाह नहीं की। यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते इस बात की आशंकाएं पैदा हो गई थी कि अगर रूस ने गैस सप्लाई लाइन बंद कर दी तो यूरोप के देशों में हाहाकार मच जाएगा। जर्मनी ने अमेरिका को साफ कर दिया था कि पाइपलाइन का मुद्दा विशुद्ध रूप से आर्थिक है। रूस भी अपने कुल बजट का लगभग 40 फीसदी हिस्सा तेल और गैस की बिक्री से प्राप्त करता है। रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले भी अमेरिका इस पाइपलाइन को लेकर रूस को दमकाता रहा है। अमेरिका ने अपने फायदे के लिए पाइपलाइन को उड़ाकर मित्र देशों के लिए संकट पैदा करने की कोशिश की। अमेरिका की पोल खुल चुकी है। पाइपलाइन शक्ति संर्घण का प्रतीक बन गई है। फिलहाल रूस और अमेरिका तनाव चरम पर पहुंच गया है और रूस इस पर क्या कदम लड़ाता है तब ऐसा ही है।

एक घोटाले गिनाए और कहा कि वह भारत के लिए मौका था, लेकिन कांग्रेस ने उस मौके को मुसीबत में बदल दिया। उन्होंने कहा कि आईटी में मौका बना तो 2जी घोटाला हो गया। इंधन में मौका बना तो कोयला घोटाला हो गया। कॉमनवेल्थ खेल हुआ तो खेल घोटाला हो गया। रक्षा में मौका बना तो हेलीकॉप्टर घोटाला हो गया।

उनके भाषण से एक दिन पहले रविशंकर प्रसाद ने प्रेस कांफ्रेंस करके आरोप लगाया और कहा कि राहुल गांधी, उनकी मां और बहनोई जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने राहुल से यह भी पूछा कि उनके बहनोई इतने अमीर कैसे हुए। ऐसा लगता है कि रविशंकर प्रसाद इस बात से बहुत नाराज हो गए थे कि गौतम अदानी के रातों रात अमीर होने के बारे में राहुल गांधी ने कैसे सवाल किया। इसलिए वे कांग्रेस पार्टी और नेहरू-गांधी परिवार के प्रति जितनी संभव हो सकती थी उतनी अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करके हमला किया। पर सवाल है कि चाहे रविशंकर प्रसाद ने बताए हों या प्रधानमंत्री मोदी ने गिनाएं हों पर उन घोटालों में हुआ क्या?

केंद्र में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में 2जी, कोयला और कॉमनवेल्थ खेल में हुए कथित घोटाले की सबसे बड़ी भूमिका है। लेकिन इन मामलों की आज क्या स्थिति है? हकीकत यह है कि कथित एक लाख 76 हजार करोड़ रुपए के 2जी घोटाले के सारे आरोपी निचली अदालत से बरी हो गए। यूपीए की सरकार ने उस समग्र तमाम आरोपियों को गिरफ्तार करोड़ रुपए का बताया जा रहा था तो वाडा की जांच के लिए जेपीसी



अनुशासन और तकनीकि के समावेश से हरा सकते हैं मधुमेह को डॉ० सुबोध जैन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। आर एस डी आई का 12वां वार्षिक सम्मेलन आज ए.एम.ए कन्चेशन सेंटर में शुरू हुआ। सम्मेलन का विषय मधुमेह आज और कल है। सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए डॉक्टर सुबोध जैन ने कहा कि यह वार्षिक सम्मेलन मधुमेह के क्षेत्र में नवीनतम विकास के अनुसंधान से विशेषज्ञ विकल्पों को अपारत करता है। यह सम्मेलन विकल्पों के विचारों का आदान-प्रदान करते और मधुमेह को बेहतर समझने में और रोगियों को बेहतर सेवा देने की प्रतिया समझना यन्त्रित नए सुधार के लिए एक मंच प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं, मधुमेह के बारे में रिस्कों के माध्यम से ज्ञान और समझ बहुत तेजी से बढ़ता है। वैश्वायिक विद्यालंजी की बुनियादी बातों से लेकर नवीन विधाओं के विकास तक पिछले दसक में मधुमेह के इलाज करने के तरीके में एक अभूतपूर्व परिवर्तन देखा गया है। मूल सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, अनुसंधान आर एस डी आई का एक अभिन्न अंग है और सम्मेलन शोधकर्ता और युवा छात्रों को आनन्द



शोध कार्य प्रस्तुत करने और अन्य शोधकर्ताओं के साथ घेपर प्रस्तुति सम्प्राप्ति की बुनियादी बातों से लेकर नवीन विधाओं के विकास तक पिछले दसक में मधुमेह के इलाज करने के तरीके में एक अभूतपूर्व परिवर्तन देखा गया है। मूल सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, अनुसंधान आर एस डी आई का एक अभिन्न अंग है और सम्मेलन शोधकर्ता और युवा छात्रों को आनन्द

में ही रोग की रोकथाम संभव हो सकती है। डॉ० मुकुलेश गुर्ता ने अपने व्याख्यान में मधुमेह के प्रैडिट देते हुए कहा कि मधुमेह के रोगियों में नियमित व्यायाम करना चाहिए व हृदय विकास के साथ-साथ ही सभी पैथोलॉजिकल टेस्ट नियमित रूप से करने की सलाह दी। व उपचार से उन्होंने कालन करना चाहिए। डॉ० एल०शीनिवास मूर्ति ने भी शीर्सीजन मेडिसिन द्वारा मधुमेह के विभिन्न प्रकारों का निदान किस प्रकार संभव है विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रियंका गांधी ने भेजा उर्स मुबारक संदेश

प्रयागराज। अखिल भारतीय कांग्रेस की महासचिवी वर्ष उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने अटाला शिथ हजरत शाह इनायत उल्लाह शाह शहीद रहमत उल्लाह अलेहे का उस मुबारक का संदेश भेजा है। उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने अटाला कुशीनी सिलसिले अवियाया में अटाला कुशीनी के नाम भेजे संदेश- पत्र में उन्होंने तीन दिनों तक चलने वाले पवित्र उर्स में शामिल होने देश-विदेश से आये जायरीनों को मुबारकबाद और सलामाती की दुआ की। इस मुबारक मौके पर अल्पसंख्यक विभाग के शह अध्यक्ष असद अली ने मुतवली को सौंपा और उनका संदेश पढ़ा।

इस अवसर पर पूर्ण कैबिनेट मंत्री डॉक्टर नरेंद्र कुमार सिंह गौड़ ने उहैं श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन पर दालन डाला और कोने को पैदित दीनदयाल उपाध्याय ने सास्कृतिक राष्ट्रवाद की धारा बहाई थी। उहैंने एकात्म मानववाद का दर्शन एवं अंत्योदय का सिद्धांत दिया जिनके विचारों से आज भारतीय जनता पार्टी की सरसे बड़ी पार्टी बनी है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि पैदित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा और उनके विचार अहमद, नफीस कुशीनी, तबरज अहमद, मो हसीन, मो. अकमल, असरन कुशीनी, मुजाज़ार अहमद, जाकिर हुसीन, जाकिद नेता, गुलाम वारिस, मुस्तकीन कुशीनी, मो आरोग्य, परवेज खान, सहित भारी संख्या में अकीदत मंद मौजूद थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की धारा बहाई: डॉक्टर नरेंद्र कुमार सिंह गौड़

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के तत्वाधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम बालसन चौराहे रिथ्ट पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पार्टी में लगी उनकी मूर्ति पर उहैं मात्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर पूर्ण कैबिनेट मंत्री मंत्री डॉक्टर नरेंद्र कुमार सिंह गौड़ ने उहैं श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन पर दालन डाला और कोने को पैदित दीनदयाल उपाध्याय ने सास्कृतिक राष्ट्रवाद की धारा बहाई थी। उहैंने एकात्म मानववाद का दर्शन एवं अंत्योदय का सिद्धांत दिया जिनके विचारों से आज भारतीय जनता पार्टी की सरसे बड़ी पार्टी बनी है। इस अवसर पर पूर्ण कैबिनेट मंत्री पैदित दीनदयाल उपाध्याय की 50वीं पुण्यतिथि मनाई गई।

कार्यक्रम का संचालन कुंज विहारी मिश्रा एवं धन्यवाद मंडल अध्यक्ष अनिल भट्ट ने किया। इस अवसर पर पैदित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा और उनके विचार अहमद, नफीस कुशीनी, तबरज अहमद, मो हसीन, मो. अकमल, असरन कुशीनी, मुजाज़ार अहमद, जाकिर हुसीन, जाकिद नेता, गुलाम वारिस, मुस्तकीन कुशीनी, मो आरोग्य, परवेज खान, सहित भारी संख्या में अकीदत मंद मौजूद थे।

बाराती की हृत्या में वांछित दो पकड़े

प्रयागराज। 40 साल पहले पूर्ण नगर नियम पूष्यन अधिकारी डॉ० श्रीश चंद्रा ने अधियोग में विनाशित संजय पुरु करने के अधियोग में विनाशित संजय पुरु करने के अधिकारीय जनता पार्टी की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि पैदित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा और उनके विचार अहमद, नफीस कुशीनी, तबरज अहमद, मो हसीन, मो. अकमल, असरन कुशीनी, मुजाज़ार अहमद, जाकिर हुसीन, जाकिद नेता, गुलाम वारिस, मुस्तकीन कुशीनी, मो आरोग्य, परवेज खान, सहित भारी संख्या में अकीदत मंद मौजूद थे।

बेहतर सेवा देता रहेगा प्रयागराज का डॉग केर्यर सेप्टर: श्रृंखल चंद्रा

प्रयागराज। 40 साल पहले पूर्ण नगर नियम पूष्यन अधिकारी डॉ० श्रीश चंद्रा ने तब इलाहाबाद के पना लाल रोड पर डॉग केर्यर सेंटर की स्थापना किया था। उस समय डॉ० चंद्रा मानवीय जनता पार्टी की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि पैदित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा और उनके विचार अहमद, नफीस कुशीनी, तबरज अहमद, मो हसीन, मो. अकमल, असरन कुशीनी, मुजाज़ार अहमद, जाकिर हुसीन, जाकिद नेता, गुलाम वारिस, मुस्तकीन कुशीनी, मो आरोग्य, परवेज खान, सहित भारी संख्या में अकीदत मंद मौजूद थे।

प्रयागराज। 40 साल पहले पूर्ण नगर नियम पूष्यन अधिकारी डॉ० श्रीश चंद्रा की स्वरिंद्र जनता पार्टी की अधिकारीय जनता पार्टी की स्वरिंद्र जनता पार्टी की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि पैदित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा और उनके विचार अहमद, नफीस कुशीनी, तबरज अहमद, मो हसीन, मो. अकमल, असरन कुशीनी, मुजाज़ार अहमद, जाकिर हुसीन, जाकिद नेता, गुलाम वारिस, मुस्तकीन कुशीनी, मो आरोग्य, परवेज खान, सहित भारी संख्या में अकीदत मंद मौजूद थे।

प्रयागराज। 40 साल पहले पूर्ण नगर नियम पूष्यन अधिकारी डॉ० श्रीश चंद्रा की स्वरिंद्र जनता पार्टी की अधिकारीय जनता पार्टी की स्वरिंद्र जनता पार्टी की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि पैदित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा और उनके विचार अहमद, नफीस कुशीनी, तबरज अहमद, मो हसीन, मो. अकमल, असरन कुशीनी, मुजाज़ार अहमद, जाकिर हुसीन, जाकिद नेता, गुलाम वारिस, मुस्तकीन कुशीनी, मो आरोग्य, परवेज खान, सहित भारी संख्या में अकीदत मंद मौजूद थे।

प्रयागराज। 40 साल पहले पूर्ण नगर नियम पूष्यन अधिकारी डॉ० श्रीश चंद्रा की स्वरिंद्र जनता पार्टी की अधिकारीय जनता पार्टी की स्वरिंद्र जनता पार्टी की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि पैदित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा और उनके विचार अहमद, नफीस कुशीनी, तबरज अहमद, मो हसीन, मो. अकमल, असरन कुशीनी, मुजाज़ार अहमद, जाकिर हुसीन, जाकिद नेता, गुलाम वारिस, मुस्तकीन कुशीनी, मो आरोग्य, परवेज खान, सहित भारी संख्या में अकीदत मंद मौजूद थे।

प्रयागराज। 40 साल पहले पूर्ण नगर नियम पूष्यन अधिकारी डॉ० श्रीश चंद्रा की स्वरिंद्र जनता पार्टी की अधिकारीय जनता पार्टी की स्वरिंद्र जनता पार्टी की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कहा कि पैदित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा और उनके विचार अहमद, नफीस कुशीनी, तबरज अहमद, मो हसीन, मो. अकमल, असरन कुशीनी, मुजाज़ार अहमद, जाकिर हुसीन, जाकिद नेता, गुलाम वारिस, मुस्तकीन कुशीनी, मो आरोग्य, परवेज खान, सहित भारी संख्या में अकीदत मंद मौजूद थे।

प्रयागराज। 40 साल पहले पूर्ण नगर नियम पूष्यन अधिकारी डॉ० श्रीश चंद्रा की स्वरिं